

हायलो ओपन : सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे, लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

लगातार दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, वृद्धि मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त - पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल आवृद्धि ल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया।

न्यूज ब्रीफ

तेंदुलकर के लिए अनलकी रहा है लार्ड्स मैदान

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपने दो दशक के करियर में सबसे अधिक शतक और रनों के



साथ ही अनगिनत रिकार्ड अपने नाम किये हैं और हर दुनिया के हर कोने में अपनी बल्लेबाजी से इतिहास रचा है पर वह एक बार भी लंदन के ऐतिहासिक लार्ड्स क्रिकेट मैदान में शतक नहीं लगा पाये जबकि इस मैदान पर खेलना और शतक लगाना हर क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। हैरान की बात है कि दुनिया के लगभग हर बड़े मैदान पर शतक लगाने वाले तेंदुलकर का यह सपना लार्ड्स पर कभी पूरा नहीं हो पाया। इस प्रकार सचिन के लिए लार्ड्स का मैदान एक तरह से अनलकी साबित हुआ, जहां वह एक बार भी तीन अंकों तो नहीं पहुंचे। अपने पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर में, चाहे वह टेस्ट क्रिकेट हो या एकदिवसीय, सचिन लार्ड्स में एक भी शतक दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने इस ऐतिहासिक मैदान पर कुल 8 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें 5 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मुकाबले शामिल हैं। टेस्ट मैचों में, पांच पारियों में उन्होंने केवल 195 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर मात्र 37 रन रहा। वहीं, तीन एकदिवसीय मैचों में उनके नाम सिर्फ 45 रन दर्ज हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 26 रन था। यह आंकड़ा सचिन जैसे दिग्गज बल्लेबाज के लिए बेहद असामान्य और अप्रत्याशित माना जाता है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से अनगिनत बार विपक्षी गेंदबाजों को ढ़ेर किया। यह उल्लेखनीय है कि सचिन तेंदुलकर दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतकों (टेस्ट में 51 और वनडे में 49) का अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया है।

मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी ने जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में जीता ब्राउन्स मेडल



मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी को जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर में ब्राउन्स मेडल हासिल करने पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डा अजय पाठक ने बताया कि अनुभव चौधरी ने जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में ब्राउन मेडिकल हासिल करके पीतलनगरी मुरादाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी देश भर में चमका दिया है। अनुभव चौधरी के स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में डा अजय पाठक के अलावा क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार एवं सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के समस्त कोच एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

पैरालंपिक चैंपियन नितेश की नजरें अब विश्व चैम्पियनशिप मे स्वर्ण जीतने पर लगीं



नई दिल्ली। पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार के नाम कई रिकार्ड हैं। पैरालंपिक चैंपियन रहे नितेश ने हाल ही में उन्होंने एशियन पैरा गेम्स के एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत था। वहीं थुलसिमथी मुरुगेसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 इवेंट में रजत पदक जीता था। किया। वहीं अब उनका लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतना और लांस एंजिल्स पैरालंपिक में अपने स्वर्ण पदक को बरकरार रखना है। जिसके लिए वह अपनी योजनाएं बना रहे हैं। नितेश ने कहा कि मेरा लक्ष्य केवल पदक जीतना नहीं बल्कि लगातार आगे बढ़ना और बेहतर होना है। इसी कारण मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं, तो मुझमें स्वर्ण पदक जीतने की पूरी क्षमता है। साथ ही कहा कि हार पर भी वह निराश नहीं होते क्योकि हार से भी सीखने को मिलता है। इससे हम सबक लेते हुंए अपनी गलतियों को ठीक करते हैं। नितेश के पदक तालिका में अब बस विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण की ही कमी है। जो उन्हें हमेशा खलती है। उन्होंने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में उनके पास दो रजत और दो कांस्य पदक हैं पर कोई स्वर्ण पदक नहीं है। हालांकि, उनका मानना है कि अगर वे सिर्फ परिणामों पर ध्यान न दें, तो पिछले कुछ वर्षों में उनका विकास शानदार रहा है।

टेस्ट क्रिकेट में इन बल्लेबाजों के लगातार शतक के रिकार्ड आज भी हैं बरकरार

मुम्बई

टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे कठिन प्रारुप माना जाता है क्योंकि इसमें लगातार पांच दिन तक किसी खिलाड़ी की क्षमताओं की परीक्षा होती है। इसलिए इस प्रारुप में खेलना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। ऐसे में टेस्ट मैचों में शतक का अलग ही महत्व होता है। वहीं कुछ ऐसे भी दिग्गज क्रिकेटर हुए हैं जिन्होंने इस प्रारुप में लगाताकर शतक लगाये हैं। इस सूची में आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन 6 लगातार शतकों के साथ शीर्ष पर हैं, डोनाल्ड ने क्रिकेट जगत में नया इतिहास बनाया। लिखी। ब्रैडमैन ने साल 1937 के शुरुआती महीनों में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए टेस्ट मुकाबलों में अपनी बल्लेबाजी का ऐसा करिश्मा दिखाया जो आज तक भी कोई नहीं दोहरा पाया है। उन्होंने साल 1937 में मेलबर्न में 270 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली, जिसके तुरंत बाद एडिलेड में 212 रन और मेलबर्न में 169 रन बनाए। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका, साल 1938 में नाटिंघम में नाबाद 144, लार्ड्स में नाबाद 102 और लीड्स में 103 रनों की पारियां खेलकर उन्होंने साबित कर दिया कि वह इस खेल में इतिहास बनाने के लिए ही हैं। इससे पहले 1929 और 1930 के बीच भी उन्होंने लगातार चार मैचों में शतकीय पारियां खेली थीं। वहीं लगातार शतक बनाने की इस सूची में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज आलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने दिसंबर 2003 से मार्च 2004 के बीच लगातार पांच टेस्ट पारियों में शतक लगाये। कैलिस ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहान्सबर्ग में 158 रन बनाए, इसके बाद डरबन में नाबाद 177, केपटाउन में नाबाद 130, सेंचुरियन में नाबाद 130 और न्यूजीलैंड के खिलाफ हेमिल्टन टेस्ट में नाबाद 150 रन बनाकर अपनी निरंतरता का परिचय दिया। पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ ने भी साल 2006 में लगातार पांच टेस्ट शतक लगाये। अगस्त 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में 192 और द ओवल में 128 रनों की पारियों के बाद, नवंबर 2006 में वेस्टइंडीज के खिलाफ लाहौर में 192, मुल्तान में 191 और कराची टेस्ट की दोनों पारियों में 102 और 124 रन बनाकर उन्होंने विश्व क्रिकेट में सभी को हैरान कर दिया। वहीं भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने साल 2009 और 2010 के बीच लगातार पांच टेस्ट शतक लगाकर अपना दबदबा दिखाया।



साउथ अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया को दिया दोहरा जख्म, टेस्ट चैंपियनशिप के साथ ही रैंकिंग में भी नंबर-1 से हटाया



केपटाउन। साउथ अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के 2-1 से अपने नाम कर लिया है। केपटाउन में हुए आखिरी टेस्ट की पहली पारी में आस्ट्रेलिया के पास 100 रनों की बढ़त थी। इसके बाद भी साउथ अफ्रीका ने मैच को 176 रनों के बड़े अंतर से जीता। इस जीत की वजह से साउथ अफ्रीका की टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टेबल में टाप-2 में पहुंच गई है। रैंकिंग में नंबर एक बनी साउथ अफ्रीका आस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट में जीत हासिल करके डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन साउथ अफ्रीका टेस्ट रैंकिंग में टाप पर पहुंच गई थी। टेस्ट में साउथ अफ्रीका के 124 रेटिंग पाइंट हो गए हैं। अभी तक आस्ट्रेलिया की टीम पहले नंबर पर थी। टीम की हार के बाद 122 रेटिंग पाइंट हो चुके हैं और वह दूसरे नंबर पर आ गई है। न्यूजीलैंड तीसरे जबकि भारत चौथे नंबर पर है। टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में तीसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार से आस्ट्रेलिया ने टेस्ट में नंबर-1 की रैंकिंग गंवाने के साथ ही टेस्ट चैंपियनशिप में भी नुकसान उठाया है। टीम पाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर गई है। 2023 की चैंपियन आस्ट्रेलिया के 13 मैचों के बाद 69.23 प्रतिशत पाइंट हैं। वहीं साउथ अफ्रीका के 71.43 प्रतिशत पाइंट हैं। आस्ट्रेलिया को अगली सीरीज दिसंबर-जनवरी में न्यूजीलैंड से खेलनी है। न्यूजीलैंड की टीम 72.22 प्रतिशत पाइंट के साथ टाप पर है। आस्ट्रेलिया से पहले न्यूजीलैंड की टीम अपने घर में भारत के खिलाफ 19 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।

भारतीय महिला आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर रहेगी : कोच मजूमदार



मुम्बई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि जिस प्रकार खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं उससे आने वाले समय में टीम सभी प्रारुपों में नंबर एक पर पहुंच जाएगी। अमोल ने कहा कि देश मे लगातार नई प्रतिभाएं उछार रही हैं। मजूमदार ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि दो साल बाद भारतीय टीम विश्व क्रिकेट पर छायी रहेगी। उन्होंने बताया, दो साल बाद अगर भारतीय टीम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाने लगे तो मुझे बहुत खुशी होगी। साथ ही कहा कि टीम को हमेशा उन्होंने हावी होने की सीख दी है। जिसके तहत मैदान पर पूरी आक्रामकता और दृढ़ता के साथ खेलना भी हमारी प्राथमिकता रही है। साथ ही कहा कि मुंबई क्रिकेट मे रहते हुंए जो बातें सीखी ओर अनुभव हासिल किया उसे वह खिलाड़ियों के साथ साझा करने प्रयास करते है।

गौतलब है कि पिछले साल नवंबर में घरेलू मैदान पर 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बावजूद, भारतीय टीम अब तक कोई बड़ा टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं जीत पाई है। हालांकि, मजूमदार और नई कप्तान स्मृति मंधाना को मुंबई और वडोदरा में आयोजित होने वाली आईसीसी टी20 चैंपियंस ट्रावृद्धि फी में इस कमी को दूर करने और टीम को टी20 प्रारूप में भी मजबूत बनाने का मौका मिलेगा। मजूमदार ने भरोसा जताया कि भारत टी20 प्रारूप में भी ऐसी टीम बनेगा जिसे हराना आसान नहीं होगा।

मुख्य कोच ने कहा कि आयु वर्ग के क्रिकेटरों को टी20 क्रिकेट की जरूरतों और चुनौतियों की बेहतर समझ है, जो टीम के लिए एक बड़ा फायदा है। उन्होंने बीसीसीआई के वृद्धि सेंटर आवृद्धि फ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे काम की जमकर सराहना की, जहां अंडर-15, अंडर-19 और भारत ए के शिविर आयोजित होते हैं। मजूमदार ने बताया, सीओई में जिस तरह का काम हो रहा है, वह शानदार है। ये शिविर इस बात का अच्छा उदाहरण हैं कि वर्तमान में भारतीय महिला क्रिकेट किस दिशा में आगे बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि कई बेहतरीन खिलाड़ी उभरकर सामने आ रही हैं और उनकी अनुकूलन क्षमता अद्भुत है।

रोहित ने शीर्ष वरीय को हराकर किया उलटफेर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे



इंदौर। इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही आईटीएफ एमटी 700 मास्टर्स टेनिस स्पर्धा में दूसरे दिन भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। स्थानीय खिलाड़ी रोहित रावत ने 55 वर्ष आयु वर्ग में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त बालकिशन भाटिया को तीन सेट के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं 50 वर्ष आयु वर्ग में जगदीश तंवर और 60 वर्ष आयु वर्ग में चंद्रभूषण व रामकुमार प्रसाद ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। रोहित रावत ने बालकिशन भाटिया को 6-7 (5), 7-6 (11), 6-2 से पराजित किया। पहले सेट में बालकिशन ने टाईब्रेक में जीत दर्ज की, लेकिन रोहित ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए टाईब्रेक अपने नाम किया। निर्णायक सेट में रोहित ने शानदार सर्विस और फोरहैंड शाट्स के दम पर 6-2 से जीत दर्ज की। इसी आयु वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त आशीष मालपानी ने मोहित गर्ग को 6-4, 6-4 से और सातवीं वरीयता प्राप्त अवनीश चंद्र रस्तोगी ने रूची बंसल को 7-5, 6-4 से हराया।

टखने की चोट से उबरे नीरज चोपड़ा, जल्द शुरू करेंगे अभ्यास

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अपनी टखने की चोट से काफी कुछ उबर गये हैं और जल्द ही अभ्यास शुरू कर सकते हैं। नीरज के अनुसार वह अगले कुछ सप्ताह में रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) प्रक्रिकया शुरू कर सकते हैं। नीरज चोपड़ा इस साल अगस्त में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स के अलावा एशियाई खेलों से भी बाहर रहे थे। अब इस स्टार खिलाड़ी का कहना है कि व पहले से काफी बेहतर हैं।



भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में चोपड़ा ने कहा, मेरी चोट अब काफी बेहतर है। पहले डेढ़ महीने में मुझे कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब इसमें काफी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, मैंने विषेषज्ञ डाक्टर दिनशा परदीवाला से परामर्श लिया और उन्होंने सलाह दी है कि मैं अब अभ्यास और रिहैबिलिटेशन शुरू कर सकता हूं। मैं अगले कुछ सप्ताह में इन दोनों को शुरू करने की योजना बना रहा हूं। चोपड़ा ने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी चिकित्सा टीम की सलाह के अनुसार पूरा आराम किया। उन्होंने चिकित्सकों की सलाह का पालन करते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित किया।

नीरज ने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) और साइ के सहयोग की भी सराहना की, जिन्होंने वर्षों से उन्हें प्रतियोगिताओं के संबंध में हरसंभव सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि वह कई वर्षों से टाप्स के कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें हमेशा मदद मिली है। इस साल चोपड़ा ने आखिरी बार 21 अगस्त को लुसाने में डायमंड लीग में भाग लिया था, जहां वह दूसरे स्थान पर रहे थे। जुलाई में उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में भी रजत पदक जीता था। नीरज ने खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी दिए जाने पर भी खुशी जतायी है। उन्होंने इसे भारतीय खेल के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम बताया।

कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026: महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को दी मात

अहमदाबाद

कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी जीत दर्ज की है। पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी अपना दम दिखाते हुए श्रीलंका को 54-20 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स के शानदार तालमेल के सामने श्रीलंकाई टीम पूरे मुकाबले में संघर्ष करती नजर आई।

आदित्य शिंदे ने लगाए सबसे ज्यादा अंक

फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से आदित्य शिंदे सबसे सफल रेडर रहे। उन्होंने 14 रेड में 10 रेड पाइंट हासिल किए, जिनमें चार बोनस पाइंट भी शामिल थे। भरत हुड्डा ने आठ रेड पाइंट का योगदान दिया। उन्होंने दूसरे हाफ में सात रेड कीं और इस दौरान एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने छह, जबकि टीम के उपकप्तान नवीन कुमार ने पांच अंक जुटाए। वहीं, डिफेंस में योगेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-फाइव लगाया। उन्होंने पहले हाफ में ही पांच सफल टैकल किए। इसके अलावा शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने दो-दो टैकल पाइंट हासिल किए।

भारत ने श्रीलंका को चार बार किया आलआउट

भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने कुल 30 रेड पाइंट और 14 टैकल पाइंट हासिल किए। इस दौरान श्रीलंका को चार बार आलआउट किया, जबकि भारतीय टीम एक बार भी आलआउट नहीं हुई। श्रीलंका की ओर से मदुवंथा छह टैकल पाइंट के साथ सबसे सफल खिलाड़ी रहे। अनसाफ और विदुरंगा ने



तीन-तीन अंक जुटाए। हालांकि, श्रीलंकाई रेडर्स भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। सेमीफाइनल में केन्या के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले सबिहान, मिलिंदा चतुरंगा और विदुरंगा फाइनल में अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। तीनों ने मिलकर 31 रेड में सिर्फ पांच रेड पाइंट हासिल किए। श्रीलंका की टीम अपनी नौ डू-आर-डाई रेड में से सात में असफल रही। पहले हाफ में ही भारत ने बना ली थी 20 अंकों की बढ़त मुकाबले की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में 10 मिनट का खेल बाकी रहने तक भारत 15-8 से आगे था। इस दौरान भारतीय टीम श्रीलंका को एक बार आलआउट भी कर चुकी थी। इसके बाद भारत ने लगातार अंक जुटाते हुए 15-2 के अंतर से स्कोर किया और हाफ टाइम तक 30-10 की बड़ी बढ़त बना ली। पहले हाफ के आखिरी पांच मिनट में भारत ने श्रीलंका को दूसरी बार आलआउट किया। श्रीलंका की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने पहले हाफ की 21 रेड में केवल दो सफल रेड कीं। वहीं, भारतीय डिफेंडर्स ने 10 प्रयासों में नौ सफल टैकल किए। दूसरे हाफ में भी भारत का दबदबा जारी रहा। टीम ने इस हाफ में 24-10 से जीत दर्ज की और दो बार श्रीलंका को आलआउट किया। आखिरी आलआउट मुकाबले के अंतिम पांच मिनट में हुआ। पूरे मैच में भारत ने 40 रेड में 24 सफल रेड कीं, जबकि श्रीलंका 41 रेड में सिर्फ सात बार ही अंक हासिल करने में सफल रहा।

पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय पुरुष टीम

भारतीय पुरुष टीम ने चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम रखते हुए सभी आठ मुकाबलों में जीत दर्ज की। ग्रुप-ए में भारत ने इंग्लैंड को 46-26, युगांडा को 44-30, मलेशिया को 37-23, नाइजीरिया को 50-23, तंजानिया को 48-20 और श्रीलंका को 45-24 से हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 56-27 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में श्रीलंका को 54-20 से हराकर भारत ने चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।

महिला टीम ने भी युगांडा को हराकर जीता खिताब

पुरुष टीम से पहले भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय महिलाओं ने युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। महिला टीम भी पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। इस तरह कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने चैंपियन बनकर देश को दोहरी खुशी दी।